Sanction of Fertilizer Plants for Utter Pradesh.

*948. SHRI MOHD. ASRAR AHMAD: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether Government have sanctioned three fertiliser plants for Uttar Pradesh.

(b) if so, when these plants will be established and production started in full swing;

(c) whether one of these plants is proposed to be established in the most backward district of Budaun; and

(d) if so, when the work will be started to establish the plant at Budaun?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) No, Sir.

(b) to (d). Do not arise.

श्री मोहम्मद असरार अहमद: मान्यवर, बदायूं सब से पिछड़ा जिला है उत्तर प्रदेश का और उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ न कुछ प्रोजेक्ट्स फर्टिलाइजर्स के अपने प्रदेश के लिए मांगे हैं। तो मैं सरकार से यह जानना चाहूंगा कि जब वह उन प्रोजेक्ट्स को सैक्शन करेगी, तो क्या उसमें एक प्रोजेक्ट बदायूं के लिए भी रखा जाएगा?

श्री वीरेन्द्र पाटिल: बम्बई हाई की गैस पर बेस्ड फर्टिलाइजर्स प्लान्ट श्री सतीश चन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार हम लगाने जा रहे हैं और वे 10 प्रोजेक्ट होंगे। उन में से एक प्रोजेक्ट राजस्थान में आएगा, एक प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में आएगा और चार प्रोजेक्ट्स जो हैं, वे उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश के आगे उत्तर प्रदेश-हरियाणा-पंजाब रीजन की जो रिक्वायरमेंट्स हैं, उन को फुलफिल करने के लिए आ रहे हैं लेकिन ये जो चार गैस बेस्ड प्रोजेक्ट्स होंगी, कितनी यू. पी. में आएंगी और कितनी और जगह होंगी, यह अभी बतलाना मुश्किल है।

श्री मोहम्मद असरार अहमद: जब भी कोई फर्टिलाइजर की प्रोजेक्ट लगाए, तो उन में से एक बदायूं में हो, यह मैंने कहा है।

श्री वीरेन्द्र पाटिल: जब ये फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट लगायेंगे उस वक्त एक एक्सपर्ट कमेटी, साईट सेलेक्शन कमेटी बैठेगी और वह उत्तर प्रदेश तथा उसके अलावा दूसरी जगहों पर भी जाएगी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर वगैरह देखेगी। जो साइट्स वह रिकमण्ड करेगी, उस पर हम डिसीजन लेंगे।

श्री मलिक एम. एम. ए. खां: मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह सही है कि आपकी मिनिस्ट्री ने जो एक्सपर्ट कमेटी बिठायी थी उसने चार फर्टिलाइजर प्लांट्स यू. पी. के लिए खास तौर पर मंजूर किये थे? आज आप इन चार प्लांट्स को हरियाणा, पंजाब कहां-कहां ले जाने का विचार कर रहे हैं। क्या यह देखते हुए कि देश में जितना इंडस्ट्रीज में इन्वेस्टमेंट हुआ है उसका केवल 5 प्रतिशत ही उत्तर प्रदेश में इन्वेस्ट किया गया है, ये जो चार प्लांट एक्सपर्ट कमेटी ने यू. पी. में लगाने के लिए रिकमण्ड किया है, उसके वसूजिब क्या ये चारों फर्टिलाइजर प्लांट यू. पी. को दिये जायेंगे? क्या मंत्री महोदय इन चारों प्लांटों को लगाते समय इस बात का भी ध्यान रखेंगे कि यू. पी. में जो बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स हैं, जहां बेकारी बहुत ज्यादा है और जहां इंडस्ट्रियलाइजेशन करना बहुत जरूरी है, उन डिस्ट्रिक्ट्स को इन प्लांट्स के लगाने में प्राथमिकता दी जाए?

श्री वीरेन्द्र पाटिल: मैंने कहा कि बाम्बे हाई गैस पर आधारित जितने फर्टिलाइजर प्लांट देश के अन्दर लग सकते हैं उनके बारे में डिटेल्ड रिपोर्ट देने के लिए एक सतीशचन्द्र कमेटी मुकर्रर की गयी थी। उसने यह कहा था कि दो फर्टिलाइजर प्लांट महाराष्ट्र में, दो गुजरात में, एक राजस्थान में, एक मध्यप्रदेश में और चार उत्तरप्रदेश में और उसके वियाण्ड। मैं आज यह कहने की हालत में नहीं हूं कि चारों उत्तर प्रदेश में ही नहीं लगेंगे। मुमकिन है कि चारों के चारों उत्तर प्रदेश में लग जाएं। चारों के चारों उत्तर प्रदेश में भी लग सकते हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश में इसकी डिमाण्ड बहुत है। मैंने अभी यह भी कहा है कि इसके बारे में अभी कुछ नहीं कह सकते हैं क्योंकि एक साइट सेलेक्शन कमेटी बनने वाली है और वही साइटस के बारे में

रिकमण्ड करेगी। उसके बाद हम तय करेंगे।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री: जैसा कि मन्त्री जी ने बताया है कि उत्तरप्रदेश में फर्टिलाइजर के चार कारखाने लग रहे हैं, ये जो चार कारखाने उत्तर प्रदेश और बिहार के पास में लगेंगे, उनके बारे में एक्सपर्ट कमेटी ने बहुत पहले कहा था और हमने भी पहले एक प्रश्न पूछा था जिसका हमारे पास उत्तर आया था कि एक्सपर्ट कमेटी और सरकार का इरादा इन कारखानों को पिछड़े स्थानों में लगाने का है। क्या मिर्जापुर, जौनपुर, बनारस और गाजीपुर जो ये चार-पांच पिछड़े हुए जिले हैं उनमें किसी एक जिले में सरकार का कोई कारखाना लगाने का इरादा है?

दूसरे जो साइट सेलेक्शन कमेटी बनायी जा रही है उसके पास साइट सेलेक्शन का क्या क्राइटीरिया होगा? इस क्राइटीरिया में गाजीपुर जिला भी आता है या नहीं?

ये चार जिले उस क्राइटीरिया में आते हैं या नहीं आते हैं?

श्री विरेन्द्र पाटिल: मैंने जबाव दिया है कि चार फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट्स उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश के आगे आएंगे। कहां पर आएंगे, अभी कहना मुश्किल है। उसके लिए साइट सिलेक्शन कमेटी मुकर्रर होगी। उन की रिपोर्ट पर हम लोग निर्णय करेंगे।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री: अब आप देखें कि आठ दिन पहले जो लिखित जवाब दिया गया था वह कितना अस्पष्ट था। मैंने यह पूछा है कि जो एक्सपर्ट कमेटी नियुक्त है उस कमेटी द्वारा साइट सिलैक्शन का क्या जौनपुर, मिर्जापुर, बलिया, वाराणसी आदि पांच जिले आते हैं या नहीं आते हैं?

श्री वीरेन्द्र पाटिल: सतीश चन्द्र कमेटी ने इतना ही कहा है कि उत्तर प्रदेश एण्ड वीयांड चार फर्टिलाइजर प्लांट आने चाहियें। कहां पर आने चाहियें यह उन्होंने नहीं कहा–

अध्यक्ष महोदय: क्राइटीरिया क्या है, यह उन्होंने पूछा है।

श्री वीरेन्द्र पाटिल: क्राइटीरिया यही है कि जो फर्टिलाइजर प्लांट लगाए गए हैं वे ऐसी जगहों पर लगाए गए हैं जहां पर उनकी कंजम्पशन तो एक जगह है जबकि प्राजेक्ट दूसरी जगह है। इसलिए जहां तक हो सके जो कंज्युमिंग एरिया है उसके बीच में ही वह लगना चाहिये, यही क्राइटीरिया है। इस लिहाज से उन्होंने कहा है कि जहां पर फर्टिलाइजर की कंजम्पशन है उसको देखते हुए उत्तर प्रदेश और वीयांड चार फर्टिलाइजर प्लांट लगने चाहियें।

श्री गिरधारी लाल व्यास: भीलवाड़ा राजस्थान का सब से बैकवर्ड जिला है। वहां पर दरीवे में राक फास्फेट का बहुत बड़ा भंडार पाया गया है। क्या फर्टिलाइजर प्लांट भीलवाड़े में स्थापित करने की आप व्यवस्था करेंगे?

श्री वीरेन्द्र पाटिल: सतीश चन्द्र कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार एक फर्टिलाइजर प्लांट अमोनिया और यूरिया का राजस्थान में आ रहा है। कहां पर आ रहा है कहना मुश्किल है। उसके अलावा एक फास्फेटिक फर्टिलाइजर प्लांट भी हम लगाने की सोच रहे हैं।

Oil on Ratnagiri Coast (Maharashtra)

*949. SHRIMATI PRAMILA DANDAVATE: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether the oil and Natural Gas Commission has, taken any further action on the findings of oil on the Ratnagiri coast (Maharashtra); and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILISERS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) ONGC has already initiated action to develop R-12 structure, which has greater production potential than the other structures in the area, for installing one process-cum-production platform, etc. to produce about 1 million tonnes per annum of crude from 1982.